they hurled crackers on them, resulting in the death of one of the villagers; one Pakistani miscreant however was arrested. Strong protests have been lodged at appropriate levels. Efforts are continuing for recovery and restoration of the looted property to the Indian owner.

दिल्ली में पुलिस की जुआरियों से सांठगांठ

8237. **श्री ओम प्रकाश त्यागी** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का यह पता लगाने का विचार है कि क्या पुरानी दिल्ली में विशेषत: होजकाजी पुलिस स्टेशन के क्षेत्राधिकार में कोई जुआघर तथा अन्य गैर कानूनी काम करने के अड्डे पुलिस की सांठगांठ से चल रहे हैं ;

(ख) यदि हां, तो सरकार का इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही करने का विचार है ; और

(ग) क्या दिल्ली के पुलिस स्टेशनों, विशेषत: होजकाजी पुलिस स्टेशन के अधिकारियों और कर्मचारियों के मासिक व्यय की जांच इस उद्देश्य करनेसे का विचार है कि कहीं उनका व्यय उनकी आमदनी से अधिक तो नहीं है ?

गृह कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) दिल्ली प्रशासन की सूचना के अनुसार ऐसा कोई दृष्टांत ध्यान में नहीं आया है ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) जी नहीं, श्रीमान् । ऐसा कोई तथ्य ध्यान में नहीं आया है जिससे ऐसी कोई जांच आवश्यक हो ।

पुलिस द्वारा उत्तेजित भीड पर गोली चलाया जाना

8238. **श्री ओम प्रकाश त्यागी** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने संघ राज्य क्षेत्रों की पुलिस, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस तथा अन्य केन्द्रीय पुलिस को गुप्त आदेश दिये हैं कि मितव्ययता की दृष्टि से उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि पहली गोली ही भीड़ में ठीक निशाने पर चलायी जाये जिससे प्रति व्यक्ति दो गोलियों की बचत हो ;

(ख) गत तीन वर्षों में विभिन्न प्रकार की केन्द्रीय पुलिस तथा संघ राज्य क्षेत्रों की पुलिस ने कितनी बार गोली चलाई थी और कितनी बार पहली गोली हवा में चलाई गई और दूसरी टांगों की तरफ और तीसरी गोली सीधी चलाई गई थी ; और

(ग) यदि अधिकांश मामलों में सीधी गोली चलाई गई थी तो क्या सरकार का विचार इस सम्बन्ध में आदेश जारी करने का है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) जी नहीं, श्रीमान् ।

(ख) और (ग). यह निश्चय करना पूर्णतया किसी स्थिति विशेष के कार्यभारी अधिकारी के विवेक पर है कि गोली चलाना यदि आवश्यक हो, तो किस तरीके से चलाई जाये किन्तु इस सिद्धांत को ध्यान में रखना चाहिये कि उससे कम से कम हताहत हों और अधिक से अधिक प्रभाव हो ।

जबकि गोली चलाने के तरीके के बारे में कोई आंकडे नहीं रखे जाते हैं, तथापि गत तीन वर्षों में, अर्थात 1967 से 1969 तक, संघ के अन्य सशस्त्र बलों तथा संघ राज्य क्षेत्रों की पुलिस द्वारा चलाई गई गोलियों की संख्या का विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है । [**ग्रंथालय में रख दिया गया । देखिये संख्या** *LT*–3383/70]

Central School Danapur Cantonment

8239. SHRI RAMAVATAR SHASTRI: Will the Minister of EDUCATION AND